दैनिक भास्कर

2026-04-18
समस्तीपुर भास्कर (2)

संगोष्ठी • राम निरीक्षण आत्माराम महाविद्यालय समस्तीपुर में आयोजन, लैंगिक न्याय पर हुआ विस्तृत विमर्श

अंबेडकर ने अपने ज्ञान के बल पर भारतीय संविधान में समानता स्वतंत्रता और न्याय को स्थापित कर ऐतिहासिक योगदान दिया

भास्कर न्यूज | समस्तीपुर

राम निरीक्षण आत्माराम महाविद्यालय समस्तीपुर में स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान विभाग एवं आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय "डॉ. भीमराव अंबेडकर के लैंगिक न्याय संबंधी विचार" रहा, जिस पर विशेषज्ञों एवं छात्रों ने विस्तार से अपने विचार रखे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाचार्य एवं अतिथियों द्वारा डॉ. अंबेडकर के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन हुआ। अतिथियों का स्वागत पाग, चादर एवं भारतीय संविधान की प्रति भेंट कर किया गया।संगोष्ठी का संचालन करते हुए विभागाध्यक्ष सह बर्सर डॉ. राजीव रौशन ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्षों से भरा रहा, लेकिन उन्होंने अपने ज्ञान

कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि।

के बल पर भारतीय संविधान में समानता, स्वतंत्रता और न्याय को स्थापित कर ऐतिहासिक योगदान दिया। उन्होंने कहा कि समाज से असमानता खत्म करने के लिए लैंगिक भेदभाव समाप्त करना आवश्यक है। प्रधानाचार्य प्रो. दिलीप कुमार ने कहा कि बाबा साहब ने विशेष रूप से वंचित वर्गों और महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने हिंदू कोड बिल के माध्यम से महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, तलाक, उत्तराधिकार, मातृत्व लाभ एवं समान वेतन जैसे प्रावधानों पर जोर दिया, जो उनकी प्रगतिशील सोच का परिचायक है। मुख्य अतिथि बिहार विधान परिषद सदस्य सर्वेश कुमार ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने शिक्षा को सबसे अधिक महत्व दिया और समाज में समान अवसर की वकालत की। उन्होंने कहा कि जब तक व्यक्ति शिक्षित नहीं होगा, तब तक वह अपने अधिकारों के लिए संघर्ष नहीं कर सकता।

विशिष्ट अतिथि प्रो. चंदेश्वर खान ने कहा कि हमें अंबेडकर के समता और ममता के विचारों को आत्मसात कर अपने जीवन में लागू करना चाहिए। वहीं पूर्व प्रधानाचार्य प्रो. सुरेंद्र प्रसाद ने नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम, 2026 के माध्यम से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने को लैंगिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं लाडली कुमारी, निशा कुमारी, दिव्या कुमारी एवं विपुल कुमार ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। साथ ही शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी संगोष्ठी में सक्रिय भागीदारी निभाई। अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मुकेश कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। छात्र-छात्राओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति कार्यक्रम की विशेषता रही।

सच्ची बात, बेधड़क
दैनिक भास्कर